भाजपाई प्रॉपर्टी डीलर की पार्टी में पहुंचकर धन्य हुए प्रशासनिक अधिकारी

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा)। ईमानदारी का ढिंढोरा पीट रहे मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के जिम्मेदार प्रशानिक अधिकारी प्रॉपर्टी डीलरों के साथ गलबहियां करते घूम रहे हैं। सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ये अधिकारी नियम कानून का पालन करेंगे या फिर सत्ता समर्थित प्रॉपर्टी डीलरों की चाकरी करेंगे।

शहर में होने वाली गड़बड़ियों की गुप्त सूचना तैयार कर सरकार को रिपोर्ट देने का काम गुप्तचर विभाग करता है। गुप्तचर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर सीएम फ्लाइंग स्क्वाड कार्रवाई करता है। मुनीष सहगल फरीदाबाद में डीएसपी सीआईडी हैं साथ ही उनके पास सीएम फ्लाइंग का अतिरिक्त चार्ज है। यानी यदि कहीं अवैध निर्माण हो रहा है या भ्रष्टाचार हो रहा है, भू माफिया, शराब माफिया कहां सक्रिय हैं जैसे गैर कानूनी कामों और भ्रष्टाचार की जानकारी इकट्ठा करना और उनके खिलाफ कार्रवाई करना ये दोनों ही अधिकार और दायित्व डीएसपी मुनीष सहगल के पास हैं।

डीएसपी सीआईडी मुनीष सहगल, एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल और एसीपी मुजेसर सुधीर तनेजा वफादारी दिखाने पहुंचे

यह डीएसपी मुनीष सहगल हाल ही में विवादित प्रॉपर्टी डीलर गोल्डी अरोड़ा की कंपनी की वर्षगांठ में वफादार सहयोगी की तरह पहुंचे। खुफिया विभाग के आला अधिकारी सार्वजनिक कार्यक्रमों में इस तरह भाग लेते देखे नहीं जाते हैं, लेकिन कार्यक्रम क्योंकि केंद्रीय मंत्री किशनपाल गूजर के भांजे अमर चेची के करीबी गोल्डी अरोड़ा का था इसलिए दिए गए समय पर मुस्कुराते हुए पहुंच गए। इस स्तर के अधिकारी का ऐसे समारोहों में शामिल होने से जहां गोल्डी जैसों की प्रतिष्ठा में इजाफा होता है वहीं आम लोगों को भी संदेश जाता है कि सरकार इनके साथ है।

अक्तूबर 2022 में थानों में सक्रिय दलालों की सूची पुलिस विभाग से लीक हुई थी। इन दलालों में केंद्रीय मंत्री किशनपाल गूजर के मामा राजपाल और भांजे अमर चेची का भी नाम शामिल था। ग्रेटर फरीदाबाद के प्रॉपर्टी डीलर और भाजयुमो महासचिव गोल्डी अरोड़ा के अमर चेची से प्रगाढ़ रिश्ते हैं।

बताया जाता है कि जमीन पर कब्जा करने, खाली कराने के लिए इन लोगों ने भाड़े के गुंडे भी पाल रखे हैं। ओमेक्स हाइट्स निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर पंकज विश्वामित्र को मार्च 2023 में रिंकू चंदीला, पवन चंदीला आदि ने नोएडा में बुरी तरह से पीट कर अपाहिज कर दिया था। बताया जा रहा है कि इन दोनों हमलावरों की जमानत करवाने में गोल्डी अरोड़ा ने अहम भूमिका निभाई थी।

इसी गोल्डी अरोड़ा ने अपनी कंपनी प्रॉपर्टी मास्टर की वर्षगांठ पर ग्रेटर फरीदाबाद बीपीटीपी स्थित अपने कार्यालय पर मुनीष सहगल सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों को बुलाया था। विभाग के भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार जब पुलिस विभाग ने दलालों की सूची जारी किए जाने की जिम्मेदारी से इनकार कर दिया था तो राजपाल मामा और गोल्डी अरोड़ा ने सीआईडी की ओर नजरें टेढ़ी की थीं। तब डीसीपी मुनीष सहगल ने अपनी वफादारी जताते हुए किसी तरह मामा एंड कंपनी को शांत किया था। हालांकि बाद में इन लोगों ने मिल कर दलालों की सूची बनाने वाले की पहचान करने के प्रयास भी किए थे। यानी डीसीपी पुलिस विभाग की ही मुखबिरी करने के स्तर तक चले गए थे।

कार्यक्रम में सिर्फ मुनीष सहगल ही नहीं पहुंचे थे। एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल और एसीपी मुजेसर सुधीर कुमार तनेजा भी वफादारी साबित करने पहुंचे थे। एक प्रॉपर्टी डीलर की कंपनी की वर्षगांठ पर पुलिस, प्रशासन और खुफिया विभाग के आला अधिकारी शामिल होकर जनता को कया संदेश देना चाह रहे थे यह तो सत्ता की दलाली करने वाले लोग ही समझते हैं।

कार्यक्रम में किशनपाल गूजर सहित सत्ता और भाजपा के कई बड़े नेता, कई वरिष्ठ पत्रकार, कथित समाजसेवी, भू माफिया भी पहुंचे थे।

गोल्डी अरोड़ा से बुके लेते हुए मुनीष सहगल, परमजीत सहगल और एसीपी सुधीर तनेजा मानो खुद को कृतार्थ और गदगद महसूस कर रहे थे। अनुमान लगाया जा सकता है कि यदि कोई पीड़ित या भुक्तभोगी प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ इन अधिकारियों के यहां शिकायत लेकर पहुंचेगा तो उसको कितना इंसाफ मिलेगा। गोल्डी अरोड़ा ने अपना रसूख दिखाने के लिए ये सभी फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी हैं। फोटो वायरल होने के साथ ही ये सभी प्रशासनिक अधिकारी अपने विभाग में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

जनता के पास खाने को तेल नहीं योगी ने फूंक दिया हजारों लीटर

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

धर्म के नाम पर पाखंड का खेल खेलने में माहिर यूपी के भाजपाई मुख्यमंत्री ठाकुर अजय सिंह बिष्ट ने दीवाली के अवसर पर भगवान को प्रसन्न करने के नाम पर 25 लाख दीये जलाने का विश्व रिकार्ड बना डाला, मजे की बात तो यह है कि इस मुकाबले में दूसरा कोई प्रतियोगी नहीं है। जाहिर है इसके लिये करदाता से वसूले गये टैक्स में से करोड़ों रुपये कुछ ही क्षणों में स्वाहा कर दिया गया। मूर्ख जनता को धर्म की अफीम चटाने में सहूलियत रहे, इसके लिये अजय बिष्ट ने न केवल अपना नाम तक बदल डाला बल्कि बाणा भी ऐसा धारण किया कि अंधविश्वासी जनता उनके चंगुल में आसानी से फंसती चली जाए।

पाखंडी गिरोह जिस भगवान को सृष्टि का निर्माता बताता है उसी के रहने के लिये मंदिर के रूप में हजारों करोड़ का और बनवा रहे हैं। यही एक मात्र घर नहीं, देश भर में न जाने कितने छोटे बड़े घर भगवान के रहने के लिये पाखंडियों द्वारा लगातार बनाये जाते रहे हैं।

दरअसल भगवान के लिए घर बनाने का यह सिलसिला लूट कमाई का अच्छा खासा स्रोत है। हो भी क्यों न जब सरकारी भवन निर्माण में 50 प्रतीत तक का घोटाला हो जाता है तो भगवान के घर बनाने में तो चाहे जितना मर्जी घोटाले कर लो, यहां कौन सा 'कैग' ने आडिट करना है।

दीवाली के दीये जलाने हों अथवा पूजा अर्चना के नाम पर करोड़ों खर्च करने हों तो पाखंडियों की सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं होती। धनाभाव केवल वहां हो जाता है जहां जनकल्याण की बात हो। गरीब जनता की शिक्षा और चिकित्सा के लिये सरकार के पास सदैव धनाभाव बना रहता है। इसी के चलते देश की जनता को लगातार गरीबी की ओर धकेला जा रहा है।

गरीबी के बढ़ते स्तर के कारण पेट की ज्वाला इतनी बढ़ चुकी है कि उसे शान्त करने के लिये तेल को दीयों में जलाने की अपेक्षा उसे अपने पेट के लिये संजोना चाहते हैं। चित्र में जहां एक ओर थानेदार दीयों में जल रहे तेल की रखवाली कर रहा है वहीं दूसरी ओर गरीब महिला किसी भी तरह उन दीयों के तेल को पाने के लिये जुगत लगा रही है। गरीबी के चलते उसकी श्रद्धा धार्मिक पाखंड की अपेक्षा अपने पेट के प्रति अधिक प्रतीत होती है।